लालकिला ब्लास्ट में 13 पर आरोप तय

588 गवाहों के बयान दर्ज

395 दस्तावेजों में बंद हैं राज

नवभारत न्यूज नेटवर्क
नई दिल्ली, 29 अगस्त. स्पेशल नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी कोर्ट ने लाल किला ब्लास्ट मामले को लेकर एनआईए की चार्जशीट पर संज्ञान लिया है. केंद्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने इस मामले में 13 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है.

चार्जशीट में उमर उन नबी (मृतक), आमिर राशिद अली, जासिर बिलाल वानी, मुजम्मिल, आदिल अहमद राथर, मुफ्ती इरफान अहमद, शाहीन, सोयाब, बिलाल और यासिर अहमद डार समेत 13 आरोपी शामिल हैं. आतंकी डॉक्टर उमर उन नबी की मौत हो चुकी है. एनआईए की जांच जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली-एनसीआर तक फैली हुई है. लाल किला ब्लास्ट मामले को लेकर जांच के दौरान 588 गवाहों के बयान दर्ज किए गए. एनआईए ने 395 से ज्यादा दस्तावेज और 200 से अधिक जब्त सामान/साक्ष्य चार्जशीट का हिस्सा बनाए हैं. स्पेशल एनआईए कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 9 सितंबर को तय की है.

लाल किले के बाहर 10 नवंबर, 2025 को कार में बम ब्लास्ट हुआ था, जिसमें 15 लोगों की मौत हुई थी और कई घायल हुए थे. सभी आरोपित आतंकी संगठन अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े थे, जो अलकायदा की ही एक शाखा है. एनआईए ने दावा किया है कि आरोपियों ने ऑपरेशन हेवनली हिंद नाम से एक अभियान शुरू किया था, जिसका मकसद कट्टरपंथी विचारधारा फैलाना और लोकतांत्रिक सरकार के खिलाफ साजिश रचना था.

> एनआईए की चार्जशीट में शामिल आरोपियों में अधिकतर डॉक्टर और शिक्षित पेशेवर शामिल हैं, जो कट्टरपंथ से प्रभावित होकर इस साजिश का हिस्सा बने. आतंकी तुफैल अहमद भट की टेलीफोन सुविधा से जुड़ी याचिका पर पिछली बार दिए आदेश की रिपोर्ट न मिलने पर कोर्ट ने संबंधित जेल अधीक्षक को व्यक्तिगत रूप से या वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से पेश होने का निर्देश दिया था. एनआईए ने कोर्ट को बताया है कि आगे की जांच अभी जारी है.

रूसी हमले में 27 की मौत, 42 घायल

कीव, 29 अगस्त (एजेंसी). यूक्रेन की राजधानी कीव के क्षेत्र में रूस की ओर से किए गए रातभर के हवाई हमले में कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई और 42 अन्य घायल हो गए. हमले से प्रभावित बुचा जिले के इलाके से 380 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है.

रूसी हमले में कम से कम 50 आवासीय इमारतों को नुकसान पहुंचा है. हमले के बाद कई इलाकों में आग लग गई. आग ने कई घरों और एक रेस्तरां को अपनी चपेट में ले लिया. मायला गांव में एक गोदाम को भी निशाना बनाया गया, जहां हमले के बाद विस्फोट हुआ. यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि इस घटना को लेकर अधिकारियों की कथित लापरवाही की जांच के लिए आपराधिक कार्रवाई शुरू की गई है.

आवासीय इलाकों में गोला-बारूद वर्जित : जेलेंस्की

जेलेंस्की ने कहा आवासीय इलाकों के पास गोला-बारूद नहीं रखा जा सकता. हमले में बुजुर्गों और दिव्यांग लोगों के लिए संचालित एक देखभाल केंद्र समेत कई रिहायशी इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं. 370 से अधिक लोगों को अब तक सुरक्षित निकाला जा चुका है और बचाव अभियान जारी है. मायला स्थित गोदाम में विस्फोटक सामग्री के भंडारण को लेकर भी जांच शुरू की गई है. अधिकारी यह पता लगाएंगे कि परिसर में विस्फोटक सामग्री रखना कानूनी था या नहीं और संबंधित कंपनी के पास इसके लिए जरूरी अनुमति और स्वीकृतियां थीं या नहीं.

लाल निशान बताएगा नमक चीनी और फैट की मात्रा

एफएसएसआई ने सुको में रखा पैक्ड फूड पर प्रस्ताव

नवभारत न्यूज नेटवर्क
नई दिल्ली, 29 अगस्त. आने वाले दिनों में पैक्ड फूड खरीदने वाले ग्राहकों को पैकेट के सामने ही यह जानकारी मिल सकती है कि उसमें चीनी, नमक या सैचुरेटेड फैट की मात्रा ज्यादा है.

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अधिक चीनी, नमक और फैट वाले खाद्य उत्पादों के लिए लाल रंग का चेतावनी लेबल लगाने का प्रस्ताव रखा है.एफएसएसआई ने एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान छह पन्नों का हलफनामा दाखिल कर प्रस्ताव की जानकारी दी. फ्रंट-ऑफ-पैक चेतावनी का उद्देश्य उपभोक्ताओं को उत्पाद में मौजूद चिंताजनक पोषक तत्वों की अधिक मात्रा के बारे में सरल और स्पष्ट जानकारी देना है. प्रस्ताव के तहत लाल रंग का छह-कोने वाला चेतावनी निशान उन उत्पादों पर लगाया जाएगा, जिनमें तय सीमा से अधिक मात्रा में कम से कम दो पोषक तत्व मौजूद होंगे.

दिल्ली में तेजी से फैल रहा स्वाइन फ्लू

नई दिल्ली. राष्ट्रीय राजधानी में स्वाइन फ्लू (एच1एन1) का संक्रमण लगातार बढ़ रहा है. राजधानी में एच1एन1 के कुल 2,729 मामले सामने आ चुके हैं. अकेले 27 अगस्त को 125 नए मामले दर्ज किए गए. इसके साथ ही इन्फ्लूएंजा ए और बी के कुल मामले बढ़कर 3,736 हो गए हैं. इनमें करीब तीन-चौथाई मामले एच1एन1 के हैं. पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष संक्रमण के मामले काफी अधिक हैं. फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है. सरकारी अस्पतालों में मरीजों के उपचार के लिए पर्याप्त आइसोलेशन बेड, दवाएंउ और जांच की सुविधाएं उपलब्ध हैं.

अब्दुला की पार्टी में आई दरार

नेकां सांसद ने किया पार्टी से इस्तीफे का ऐलान

नवभारत न्यूज नेटवर्क
श्रीनगर, 29 अगस्त. जम्मू-कश्मीर की राजनीति में नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) और श्रीनगर से सांसद आगा सैयद रुहुल्ला मेहदी के बीच बढ़ते मतभेद अब खुलकर सामने आ गए हैं.

रुहुल्ला ने शनिवार को एलान किया कि वह नवंबर में लोकसभा और पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा देंगे. यह घोषणा नेकां अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला की उस चुनौती के बाद हुई, जिसमें उन्होंने रुहल्ला से इस्तीफा देकर दोबारा चुनाव लड़ने को कहा था. आगा सैयद रुहुल्ला मेहदी श्रीनगर से नेकां सांसद हैं.

2024 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार वहीद-उर-रहमान पारा को करीब 1.88 लाख वोटों से हराया था. वह बडगाम विधानसभा सीट से तीन बार विधायक रह चुके हैं और जम्मू-कश्मीर सरकार में मंत्री भी रहे हैं.फारूक अब्दुल्ला ने रुहुल्ला के रवैये पर सवाल उठाते हुए उन्हें संसद से इस्तीफा देकर फिर चुनाव लड़ने की चुनौती दी थी. रुहुल्ला ने इसे स्वीकार करते हुए नवंबर में इस्तीफा देने का एलान कर दिया.

रुहुल्ला लगातार आरोप लगाते रहे हैं कि सत्ता में आने के बाद नेकां ने अनुच्छेद 370 और 2019 के बाद छीने गए जम्मू-कश्मीर के अधिकारों की बहाली को लेकर अपना रुख कमजोर किया है.

बीजेपी को खुद भाजपा बड़ी चुनौती

वैचारिक रूप से पार्टी का हुआ विस्तार : राम माधव

नवभारत न्यूज नेटवर्क
नई दिल्ली, 29 अगस्त. भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राम माधव ने कहा है कि आज भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती खुद पार्टी को लेकर है.

उन्होंने कहा कि भाजपा का विस्तार देश में केवल चुनावी और संगठनात्मक स्तर पर ही नहीं हुआ है, बल्कि उसका वैचारिक प्रभाव भी बढ़ा है. एक कार्यक्रम में राम माधव ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आज कांग्रेस की विचारधारा के सामने सबसे बड़ी वैचारिक चुनौती है. उन्होंने कहा कि भाजपा और संघ की विचारधारा का प्रभाव देश के राजनीतिक परिदृश्य में लगातार बढ़ा है. हिंदू धार्मिक ग्रंथों को लेकर उठाए जाने वाले सवालों पर राम माधव ने कहा कि केवल हिंदू धर्मग्रंथों को निशाना बनाना और कुरान तथा बाइबिल को चर्चा से बाहर रखना हिंदू विरोधी पूर्वाग्रह को दर्शाता है.

बंगाल की जेल में आतंकी को लग्जरी सुविधाएं

- राउटर सहित 31 हजार रुपये भी मिले
- प्रेसिडेंसी जेल में गंभीर सुरक्षा चूक का मामला

नवभारत न्यूज नेटवर्क
कोलकाता, 29 अगस्त. बंगाल की अति-सुरक्षित मानी जाने वाली कोलकाता के अलीपुर स्थित प्रेसिडेंसी सेंट्रल जेल में एक बार फिर गंभीर सुरक्षा चूक का सनसनीखेज मामला सामने आया है.

2002 में कोलकाता स्थित अमेरिकी सूचना केंद्र पर हुए आतंकी हमले के मुख्य साजिशकर्ता और आजीवन कारावास की सजा काट रहे कुख्यात आतंकी आफताब

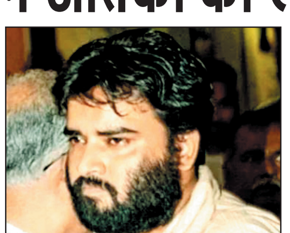

अहमद अंसारी के सेल से छापेमारी के दौरान तीन आइफोन, वाई-फाई राउटर, पेन ड्राइव और 31 हजार रुपये बरामद किया गया है. गुप्त खुफिया सूचना के आधार पर जेल विभाग के अधिकारियों ने जब आफताब के 14 नंबर सेल की गहन तलाशी ली, तो उसकी कपड़ों और बिस्तरों की परतों के बीच से यह हाई-टेक उपकरण बरामद हुए.

बरामद सामान में दो राउटर, दो कार्ड रीडर, इयरफोन और 500 रुपये के नोटों में कुल 31,000 रुपये शामिल हैं.

इस के बाद हेस्टिंग्स थाने में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई है. जांच एजेंसियों के प्राथमिक आकलन के अनुसार, आफताब जेल के भीतर से बेधड़क वाट्सएप और टेलीग्राम जैसे एप का इस्तेमाल कर रहा था. इस घटना ने जेल के भीतर फैले भ्रष्टाचार की पोल खोल दी है. आखिर इतनी कड़ी त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था और सीसीटीवी निगरानी के बावजूद यह इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और नकदी जेल के भीतर कैसे पहुंचे. पुलिस उन जेल कर्मियों की पहचान करने में जुटी है, जिन्होंने पैसों के लालच में इस आतंकी की मदद की.

बीपीएससी परीक्षा के खिलाफ पटना में प्रदर्शन, 20 हिरासत में

नवभारत न्यूज नेटवर्क
पटना, 29 अगस्त. बिहार लोक सेवा आयोग की 70वीं परीक्षा में कथित अनियमितताओं समेत विभिन्न मांगों को लेकर आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और भीम आर्मी के नेतृत्व में शनिवार को पटना में निकाला गया अधिकार मार्च जेपी गोलंबर के पास पहुंचते ही पुलिस ने रोक दिया.

प्रदर्शनकारी गांधी मैदान से मार्च करते हुए अपनी मांगों के समर्थन में आगे बढ़ रहे थे, लेकिन जेपी गोलंबर पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया. इस दौरान प्रदर्शनकारियों और

पुलिस के बीच नोकझोंक भी हुई. पुलिस ने करीब 20 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है. स्थिति को देखते हुए गांधी मैदान और आसपास के इलाकों में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है.

आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी के नेतृत्व में प्रदर्शनकारी गांधी मैदान से अधिकार मार्च लेकर आगे बढ़े.

वेनेजुएला के तेल पर अमेरिका का कब्जा

नवभारत न्यूज नेटवर्क
वाशिंगटन, 29 अगस्त. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को वेनेजुएला के साथ एक व्यापक समझौता की घोषणा किया है. यदि यह धरातल पर उतरता है, तो इसके तहत अमेरिका को दक्षिण अमेरिकी देश के विशाल कच्चे तेल के भंडार तक लागत मूल्य पर पहुंच मिल सकेगी.

सोशल मीडिया पर इस समझौते की घोषणा करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि इस पर विदेश मंत्री मार्को रुबियो, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज के बीच बातचीत हुई थी. ट्रंप ने इसे विश्व इतिहास का सबसे बड़ा तेल समझौता करार दिया है.

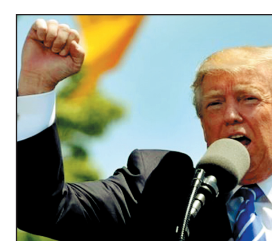

ट्रम्प ने किया एलान

यह ऐतिहासिक समझौता 17 तेल क्षेत्रों के विकास से जुड़ा है, जिनमें 65 अरब बैरल तेल की प्रमाणित क्षमता मौजूद है. इस समझौते से वेनेजुएला के तेल उद्योग में लगभग 100 अरब डॉलर का भारी निवेश आने की उम्मीद है, जिससे कराकस को 209 अरब डॉलर से अधिक का कर राजस्व प्राप्त हो सकता है.

रोड्रिग्ज ने भी टेलीग्राम पर एक संदेश में कहा कि यह कदम उनके देश के आर्थिक पुनरुद्धार में एक बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. अमेरिका वेनेजुएला में निजी ऑपरेटर के साथ मिलकर एक नई कंपनी बनाएगा. रोड्रिग्ज सरकार ने इस नई कंपनी को तेल क्षेत्रों के विकास के लिए 100 साल के अधिकार सौंपे हैं.

इस नई इकाई के प्रभावी उत्पादन का 55 प्रतिशत हिस्सा अमेरिका को मिलेगा, जिसमें मालिकाना हक और लागत मूल्य पर तेल खरीदने का अधिकार शामिल है. यह नई कंपनी सऊदी अरामको के बाद प्रमाणित तेल भंडारों की दूसरी सबसे बड़ी कॉर्पोरेट धारक बन जाएगी.

एक नजर में

मोदी 4 दिनी मध्य एशिया की यात्रा पर रवाना

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह दिल्ली से चार दिवसीय मध्य एशिया यात्रा के लिए रवाना हुए. कार्यक्रम के अनुसार उनका पहला पड़ाव उज्बेकिस्तान होगा, जहां वह 29 और 30 अगस्त को राजधानी ताशकंद में रहेंगे. इसके बाद 31 अगस्त से 1 सितंबर तक वह किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में रहेंगे. ताशकंद में प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान के राष्ट्पति शावकत मिर्जियोयेव के साथ बैठक में हिस्सा लेंगे. उज्बेकिस्तान के बाद मोदी बिश्केक जाएंगे, जहां शंघाई सहयोग संगठन की 26वीं बैठक आयोजित हो रही है.

अंकित हत्याकांड में आईफोन खोलेगा हत्या के राज

शामली. अंकित बालियान हत्याकांड की जांच तेज करते हुए पुलिस ने मृतक का आईफोन 17 प्रो बरामद कर लिया है. इसे फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है, ताकि फोन का लॉक खोला जा सके. फोन में मौजूद व्हाट्सऐप चैट और कॉल रिकॉर्डिंग से हत्या से जुड़े कई अहम सुराग मिल सकते हैं.पीड़ित परिवार ने जल्द न्याय की मांग की है. पुलिस ने कनाडा में रहकर गिरोह चलाने वाले भोलू पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया है.

बरेली में भाजपा नेता सचिन कश्यप की हत्या

लखनऊ. बरेली में रक्षाबंधन की रात सुभाषनगर क्षेत्र के बंसीनगला में पुरानी रंजिश की वजह से भाजपा मणिनाथ मंडल (ओबीसी मोर्चा) के उपाध्यक्ष सचिन कश्यप की चाकू से मारकर हत्या कर दी गई.रात करीब 12 बजे घर के पास बगिया में हमलावरों ने सचिन को घेर लिया और गले समेत शरीर पर कई जगह चाकू से वार किए. घायल सचिन खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़े. उन्हें निजी अस्पताल ले गए जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया.

आतंक के मददगार नहीं बच सकते : नरवणे

पूर्व सेना प्रमुख की पाक को दो टूक

नवभारत न्यूज नेटवर्क
नई दिल्ली, 29 अगस्त. पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान के प्रति भारत के सैन्य दृष्टिकोण में बड़ा बदलाव दिखाया. इस कार्रवाई में सिर्फ सीमा के पास मौजूद आतंकी ठिकानों को निशाना नहीं बनाया गया, बल्कि पाकिस्तान के भीतर गहराई में मौजूद उन लोगों और ठिकानों पर भी कार्रवाई की गई, जिन्हें आतंकवादियों का समर्थन करने वाला माना गया.

जनरल नरवणे ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर जरूरी कार्रवाई थी. उन्होंने बताया कि इससे पहले उरी और पुलवामा जैसे आतंकी हमलों के बाद भारत की सैन्य

कार्रवाई मुख्य रूप से सीमा के नजदीक स्थित आतंकी ठिकानों तक सीमित रही थी. इस बार कार्रवाई का दायरा अलग था. पाकिस्तान के अंदर मुरीदके और बहावलपुर जैसे स्थानों पर उन ठिकानों को निशाना बनाया गया, जहां से आतंकवाद को समर्थन मिलने की बात सामने आई थी. नरवणे ने कहा कि इस कार्रवाई से भारत ने यह संदेश दिया कि आतंकवाद को समर्थन देने वाले लोग कहीं भी हों, वे भारतीय कार्रवाई से बच नहीं सकते. भारत-चीन संबंधों पर जनरल नरवणे ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई बातचीत का संदर्भ दिया. उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों के बीच सीमा विवाद के व्यापक संदर्भ में होने वाली विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता का 25वां दौर था. भारत और चीन के बीच सीमा का वास्तविक निर्धारण अब तक नक्शे और जमीन दोनों स्तरों पर स्पष्ट रूप से नहीं हुआ है. इसी कारण दोनों देशों के बीच समय-समय पर विवाद की स्थिति बनती है.

आज का इतिहास

- **1888 –** क्रांतिकारी कनाईलाल दत्त का जन्म जो भारत की आजादी के लिए फांसी के फंदे पर झूल गए.
- **1895 –** लोकसभा के अध्यक्ष रहे भारतीय राजनीतिज्ञ सरदार हुकम सिंह का जन्म.
- **1903–** चित्रलेखा जैसी प्रसिद्ध उपन्यास के लेखक भगवतीचरण वर्मा का जन्म हुआ. वह हिन्दी जगत के प्रमुख साहित्यकार थे.
- **1923 –** हिंदी के प्रमुख गीतकार शंकरदास केसरीलाल शैलेंद्र का जन्म हुआ.
- **1928 –** द इंडिपेंडेंस ऑफ़ इंडिया लीग की भारत में स्थापना.

दुनिया कृष्णमय, बस देखने की जरूरत : भागवत

न्यूयॉर्क में सरसंघसंचालक ने दिया गीता का ज्ञान

नवभारत न्यूज नेटवर्क
न्यूयॉर्क, 29 अगस्त. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क स्थित इस्कॉन के भक्ति सेंटर में भगवान कृष्ण की पूजा-अर्चना की और श्रद्धालुओं को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया कृष्णमय है और जरूरत इस बात की है कि लोगों में कृष्ण चेतना जागृत हो.

भागवत ने कहा कि दुनिया में विविधता, टकराव और विरोधाभासों के बावजूद अंतत: सब कुछ कृष्ण ही हैं. भगवद् गीता का उल्लेख करते हुए भागवत ने कहा कि जीवन से भागना नहीं, बल्कि परिस्थितियों के बीच मजबूती से खड़े रहकर अपना कर्तव्य निभाना इसका प्रमुख संदेश है. उन्होंने कहा कि यदि यह समझ लोगों के दिल तक पहुंच जाए कि सब कुछ दिव्य है, तो दुनिया को बेहतर जगह बनाया जा सकता है. भागवत का यह दौरा न्यूयॉर्क के 26 सेकंड एवेन्यू स्थित इस्कॉन केंद्र की 60वीं वर्षगांठ के कार्यक्रमों का हिस्सा था. इसी स्थान पर इस्कॉन के संस्थापक श्रील प्रभुपाद ने 1966 में पहला मंदिर स्थापित किया था. भागवत ने मंदिर में आरती और प्रार्थना में हिस्सा लिया. उन्होंने बेघर लोगों के लिए चलाए जा रहे भोजन वितरण कार्यक्रम में भी भागीदारी की.इस्कॉन की गवर्निंग बॉडी कमीशन के सदस्य गौरांग दास ने बताया कि संस्था आध्यात्मिकता, सेवा और सामाजिक बदलाव जैसे विषयों पर काम कर रही है.

> **समाज भी है कॉर्पोरेट संगठन**
> भागवत ने मानव समाज की तुलना एक कॉर्पोरेट संगठन से करते हुए कहा कि किसी बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए अलग-अलग लोग अपनी-अपनी भूमिका निभाते हैं. कई बार सभी लोग पूरी योजना को नहीं समझते, लेकिन साझा उद्देश्य के लिए अपना योगदान देते हैं. इसी तरह मानव समाज भी एक साझा दिव्य उद्देश्य के लिए सेवा कर सकता है.

हस्तियों के ट्वीट

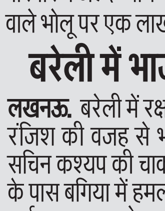

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने हाल ही में सोशल मीडिया में ट्वीट कर लिखा की हमें अमेरिकी तरफ से मॉस्को में हुई मीटिंग्स के बारे में जानकारी मिली जो कुछ दिन पहले हुई थीं. कई मीटिंग्स हुईं. हमने मीटिंग्स से पहले बात की थी, और अब हमने अमेरिकियों से फिर बात की है. जानकारी के लिए धन्यवाद – और रूस के साथ बातचीत के ज़रूरी टोन के लिए भी. हम कदमों के अलाइनमेंट और इस बात को महत्व देते हैं कि अमेरिका एक रियलिस्टिक विज़न को आगे बढ़ा रहा है कि क्या करने की ज़रूरत है और क्या हासिल करना है.

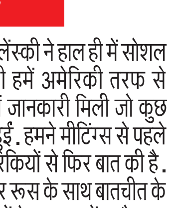

भारत के प्रसिद्ध स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर ट्वीट कर लिखा की कड़ी मेहनत के एक दौर के बाद, आखिरकार मुझे लगा कि मैं वह गति हासिल कर रहा हूं जिसकी मुझे तलाश थी, और लुसाने में मैंने सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. दुर्भाग्यवश, कुछ समय बाद ही प्रशिक्षण के दौरान मेरे टखने के लिगामेंट में चोट लग गई. डॉक्टर और टीम से सलाह मशवरा करने के बाद हमने फैसला किया है कि मैं इस सीजन के बाकी बचे मैचों में नहीं खेलूंगा.

विचार

कानूनी व्यवस्था में आई नई चुनौतियों को लेकर सीजेआई ने की महत्वपूर्ण टिप्पणी

जलवायु संकट बदलेगा कानून की परिभाषा : सूर्यकांत

नवभारत न्यूज नेटवर्क
लंदन, 29 अगस्त. जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के बीच भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कानूनी व्यवस्था के सामने खड़ी नई चुनौतियों को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है.

उन्होंने कहा कि जिन लोगों को अपनी जमीन और प्राकृतिक संसाधनों के धीरे-धीरे खत्म होने के कारण विस्थापित होना पड़ता है, उन्हें अलग कानूनी दर्जा मिलना चाहिए. मौजूदा शरणार्थी और प्रवासन कानून ऐसे विस्थापन के लिए तैयार नहीं किए गए हैं. ऐसे में जलवायु संकट कानून की उन पारंपरिक

श्रेणियों की सीमाओं की परीक्षा लेगा, जिन्हें अब तक तय और पर्याप्त माना जाता रहा है.

उन्होंने कहा कि छोटे किसान और मछुआरा परिवार, जिनकी आजीविका सीधे प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर है, संकट का सबसे पहला और गंभीर असर झेलते हैं. जब किसी परिवार की जमीन, पानी या फसल ऐसे संकट में नष्ट होती है, जिसमें उसका योगदान बेहद कम रहा हो, तो नुकसान केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रहता. इससे आजीविका, सम्मान और समानता भी प्रभावित होती है. सीजेआई ने स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने के दौरान न्यायसंगत बदलाव की जरूरत पर भी जोर दिया. उन्होंने कहा कि जो देश अभी औद्योगिकीकरण की प्रक्रिया में हैं, उनसे तेजी से नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने की अपेक्षा की जा रही है, जबकि विकसित देशों ने लंबे समय तक कोयले और तेल के सहारे आर्थिक विकास किया.

> **लंदन में नीति संवाद में रखे अपने विचार**
> सीजेआई लंदन के मार्लबरो हाउस में आयोजित राष्ट्रमंडल जलवायु न्याय पर उच्चस्तरीय नीति संवाद में बोल रहे थे. कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रमंडल सचिवालय और राष्ट्रमंडल कानूनी शिक्षा संघ ने किया था. उन्होंने कहा कि कानून को उन परिस्थितियों में अनिश्चित नहीं होना चाहिए, जहां लोग सबसे अधिक असुरक्षित हैं. सूर्यकांत ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का खतरा सभी लोगों और समुदायों के लिए समान नहीं है.